

प्रेषक,

मनीषा पंवार,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक:

23 अगस्त, 2010

विषय:

चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र सोमेश्वर के स्थान सुनोली में पुस्तकालय/वाचनालय के भवन निर्माण कार्य हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदया,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5ख (2)/8289/मा0मु0म0 घोषणा/2010-11 दिनांक: 19 मई, 2010 के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जनपद अल्मोड़ा के स्थान सुनोली में पुस्तकालय/वाचनालय के भवन निर्माण कार्य हेतु कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण सेवा विभाग, अल्मोड़ा द्वारा गठित आगणन की औचित्यपूर्ण लागत रु0 23.10 लाख पर वित्तीय एवं प्रशासकीय अनुमोदन प्रदान करते हुए अनुमोदित लागत के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में रु0 10.00 लाख (रुपये दस लाख मात्र) की धनराशि को प्रश्नगत योजनान्तर्गत शासनादेश संख्या: 803/XXIV-3/10/02(10)10, दिनांक: 02 जून, 2010 द्वारा आपके निर्वतन पर रखी धनराशि रु0 20.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

1. कार्य करने से पूर्व उक्त कार्य के संबंध में कार्यदायी संस्था से, वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 475/XXVII(07)2008: दिनांक 15.12.08 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर एम.ओ.यू0 अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जाय। कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित करना आवश्यक होगा।
2. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
3. धनराशि का आहरण/व्यय भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित होने के उपरांत ही किया जाय। कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
4. एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाए।
5. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

अर्थ



6. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारंभ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्रा. नियमावली, 2008 अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
7. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता(कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाए।
8. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
9. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219(2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य करते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
10. उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए। कार्य के प्रगति की निरंतर समीक्षा करते हुए कार्य को निर्धारित समयसारिणी के अनुसार पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।
2. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक-4202-शिक्षा, खेलकूद तथा संस्कृति पर पूजीगत परिव्यय, 01-सामान्य शिक्षा, 202-माध्यमिक, 00- आयोजनागत, 18- पुस्तकालय भवनों का निर्माण, 24-वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं०: 190(P)/XXVII(3)/2010-11 दि. 2जुलाई, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।

भवदीया,

(मनीषा पंवार)  
सचिव।

**पृष्ठांकन संख्या: 846(1)/XXIV-3/10/03(21)2009 तददिनांक।**

**प्रतिलिपि-** निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मा० राज्यमंत्री जी (स्वतंत्र प्रभार), विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. निजी सचिव, सचिव विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
7. अपर सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग-4(घोषणा अनुभाग), उत्तराखण्ड शासन।
8. अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
9. जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
10. कोषाधिकारी, अल्मोड़ा।

अर्पण

11. जिला शिक्षा अधिकारी, अल्मोडा ।
12. वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ ।
13. बजट एवं राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर।
14. कम्प्यूटर सैल (वित्त विभाग) ।
- ✓ 15. एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर।
16. संबंधित निर्माण एजेन्सी (ग्रा0अभि0सेवा विभाग, अल्मोडा)
17. रक्षित पत्रावली।

अर्पण

आज्ञा से,  
  
 (पी0एल0शाह)  
 उपसचिव।  
 a